डायमंड
कॉमिक्स
Rs. 10.00

पारले-जी

शक्तिमान

-8

RAJ COMICS FAN NATION

BRINGING HOME THE JUNOON

इस अंक के प्रायोजक
पारले-जी

AnUbHaV's Uploads

प्रिय बच्चों,

शक्तिमान कॉमिक्स की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर हमें बड़ी खुशी हो रही है। जाहिर है आप हमारे इस शक्तिमान कॉमिक्स को बड़े चाव से पढ़ रहे हैं और अपने आप में शक्तिमान के विशिष्ट गुणों को समाहित करने का सफल प्रयास कर रहे हैं। शक्तिमान प्रेरणा का स्त्रोत है। एक ओर जहां यह रोमांचकारी एवं शिक्षाप्रद है, वहीं दूसरी ओर यह आपको शक्तिशाली एवं बुद्धिमान बनने को प्रेरित करता है ताकि आप किसी भी झंझावत से जूझने की क्षमता रखें; समाज में फैली कुरीतियों को जड़ से उखाड़ फेंकने में मद्द कर सकें। यही तो है एक आदर्श नागरिक बनने के लक्षण।

प्यारे दोस्तों! आप ही तो राष्ट्र के उज्जवल भविष्य हैं। आपकी शक्ति, आपके विचार आपकी जिंदगी, अमूल्य है। इसे किसी कीमत पर नष्ट न करें। आप जानते हैं कि शक्तिमान ने उन असीम शक्तियों को विभिन्न यौगिक क्रियाओं, तपस्या एवं अच्छे कर्मों के माध्यम से अर्जित किया है। इन यौगिक क्रियाओं, कुण्डलनी जागरण एवं संयमित एवं अनुशासित जीवन व्यतीत कर आप भी इन विलक्षण गुणों एवं शक्तियों के मालिक बन सकते हैं क्योंकि आप, शक्तिमान एवं हम सभी उन्हीं पांच तत्त्वों- धरती, जल, अग्नि, आकाश एवं वायु से ही तो बने हैं।

हमें बड़ी खुशी है कि आप न केवल शक्तिमान के आदर्शों को अपने मन-मस्तिष्क में उतार रहे हैं बल्कि अपने पुस्तक संग्रह में भी शक्तिमान कॉमिक्स को सजाकर चार चांद लगा रहे हैं। लेकिन जान-बूझ कर आप किसी ऐसी दुर्घटना या संकट को आमंत्रित न करें जो सबके लिए एक अभिशाप बन कर रह जाय। हां, आप जरूर शक्तिमान की तरह बलवान, बुद्धिमान एवं कल्याणकारी बनें! यही हमारी शुभकामनाएं हैं।

आपका

Mukesh Khanna

(मुकेश खन्ना)

AnUbHaV's Uploads

शक्तिमान

भीष्म इंटरनेशनल कृत टी॰ वी॰ सीरियल "शक्तिमान" पर आधारित
संयोजक: मुकेश खन्ना, दिनकर जानी
सम्पादक: गुलशन राय
सह सम्पादक: संजय सिन्हा
कहानी: गालिब असद भोपाली, ब्रज मोहन पाण्डेय
कॉमिक्स रूपान्तरण एवं चित्रांकन:- आदिल खान, राशिद खान अमरोहवी

AnUbHaV's Uploads

प्रशांत रोता हुआ उसके पीछे भागा–

अंऽऽऽऊं! मेरी डॉल! शक्तिमान वाली डॉल!

तेजी से भागता अप्पू अचानक ठिठक कर रुक गया। क्योंकि दरवाजे पर गीता खड़ी थी।

दीदी, इसने मेरी शक्तिमान वाली डॉल छीन ली! (सुबुक-सुबुक)

अप्पू क्या सुन रही हूं मैं? चलो इसकी डॉल दो! सुना नहीं?! प्रशांत की डॉल लौटाओ!

नहीं! मैं नहीं दूंगा! मैंने शक्तिमान को सबसे पहले देखा है। शक्तिमान की डॉल मेरी है!

अप्पू ये डॉल प्रशांत की है, उसे वापस करो!

नहीं! मैंने तुमसे कितनी बार कहा था शक्तिमान की डॉल के लिए लेकिन तुमने मुझे लाकर नहीं दी! मम्मी यहां होती तो वह जरूर लाती!

मैंने नहीं लाकर दी इसका मतलब ये नहीं कि तुम दूसरों की चीजें छीनोगे! दो इधर!

ऊंऽऽ आऽऽऽ सुबुक सुबुक!

गीता ने प्रशांत को उसकी डॉल दे दी। लेकिन उसे अप्पू के रोने का अहसास..

AnUbHaV's Uploads

...सारे दिन तक रहा! आफिस में गुमसुम सी बैठी थी वो! उसे पता तक न चला कि गंगाधर कब उसके पास आ खड़ा हुआ—

शुभ प्रभात देवी जी!

गीता ने कोई जवाब नहीं दिया—

क्या बात है देवी जी? आप तो ऐसी गंभीर मुद्रा बना कर बैठी हैं जैसे किसी मूषक महाराज ने आपके सारे कपड़े कुतर लिए हैं। कोई समस्या है?

जी नहीं! आप अपना काम कीजिए!

देखिए देवी जी! दुख बांटने से कम होता है। महान कवि ने कहा है कि गंगू निज मन की व्यथा सबको बांटते जाओ! सबको दुःखी बनाए के मन ही मन मुस्काओ!

कह कर गंगाधर महामूर्ख की तरह मुस्कुराया। उसे देख कर गीता को भी हंसी आ गई।

जी हां, देवी जी! बाल हठ तो बाल हठ ही होती है! क्या चाहिए अप्पू को?

शक्तिमान!

ये हुई न बात! अब मैं भी बता दीजिए समस्या क्या है?

कुछ नहीं! बस आज मैंने अप्पू को बहुत बुरी तरह डांट दिया। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था! मम्मी-पापा भी यहां नहीं हैं फिर उसने कोई जिद भी की तो क्या! है तो वह बच्चा ही!

AnUbHaV's Uploads

लगता है उस पर सम्पादक महोदय की छाया पड़ गई है। शक्तिमान चाहिए! शक्तिमान चाहिए!

जो भी हो अब मेरी समझ में नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं?

हम बताएं! आप हमें शक्तिमान बनाकर ले जाइए देवी! हमारी सुरतआकृति भी शक्तिमान से कितनी मिलती है। और शक्तिमान का अभिनय भी कर सकते हैं! दिखाएं!

गंगाधर गीता को शक्तिमान का अभिनय करके दिखाने लगा।

न मैं शैतान हूं, न मैं इंसान हूं! दुनिया चाहे जो समझे। मैं तो पंडित शक्तिमान, भक्तिमान, बुद्धिमान, धनवान, बलवान, गुणवान, दयावान शास्त्री हूं! जी हां!

कैसा लगा देवी जी! ही-ही-ही!

तुम नहीं समझोगे! उसे शक्तिमान नहीं, शक्तिमान की 'डॉल' चाहिए! शक्तिमान की गुड़िया! और उसे मनाने के लिए वह डॉल लाकर देनी होगी!

ओह! वह कहां मिलेगी हमें पता है! हम अप्पू को तुरन्त लेकर जाते हैं। उस...

AnUbHaV's Uploads

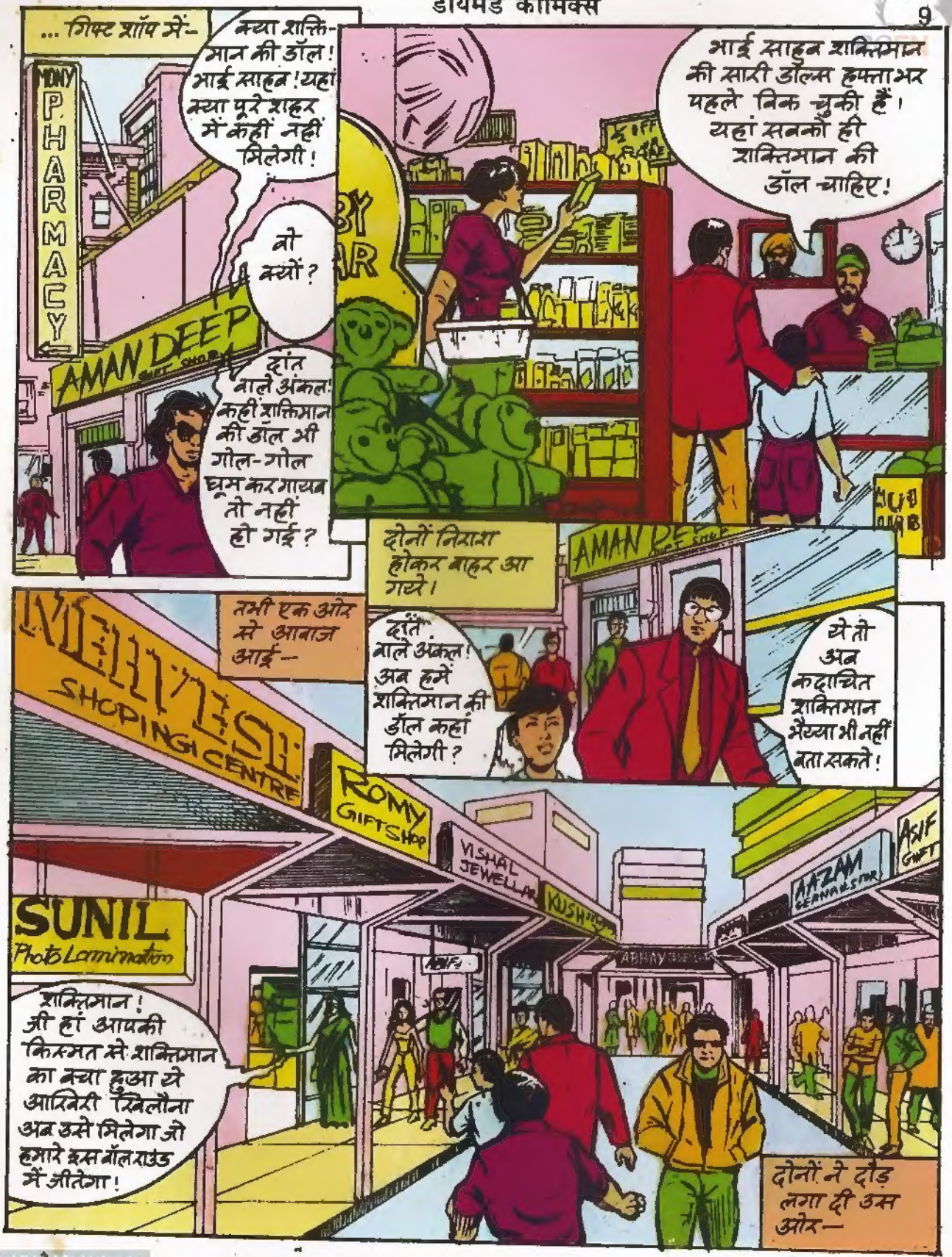

AnUbHaV's Uploads

... और तुरंत घुस गये उस गिफ्ट शॉप में जहां सेल्स मैन बुलंद आवाज में कह रहा था-

बॉल राउंड जिसमें हम ढेर सारी गेंदें उछालेंगे जिसे लाल गेंद मिलेगी उसी को मिलेगी...

... शक्तिमान की डॉल!

बॉल बाउंस होती इधर-उधर हो गई—

आह!

कहां गई?

सभी पागलपन की हद तक दीवाने थे शक्तिमान की डाल पाने की—

धड़ाधड़ एक दूसरे पर गिर रहे थे लोग—

तभी गंगाधर को दिख गई रेड बॉल—

आह! वो रही!

AnUbHaV's Uploads

बॉल बाउंस होती एक बच्ची के पास पहुंच गई जिसके पीछे लुढ़कता हुआ गंगाधर भी—

अरे! रुक!

बच्ची ने उठाकर बॉल अपने मुंह में रख ली—

अरे... अरे... नहीं!

गंगाधर ने उससे बॉल लेने की कोशिश की तो वह बच्ची रो पड़ी—

ऐ...ऐ... नहीं! बॉल मुझे दो!

ऊं वांऽऽऽ ऊं वांऽऽऽ

तभी—

मेरी बच्ची को रुलाया... ये ले!

सारी इस दत्तू को!

अरे नहीं देवियों! सुनिये तो!

ऊं वांऽऽ ऊं वांऽऽ

गंगाधर को पीट कर औरतें चली गईं तो...

AnUbHaV's Uploads

... अप्पू गंगाधर के पास पहुंचा-

होता क्या अप्पू हमारा भाग्य ही खराब है! हमारे साथ सदैव ऐसा ही होता है! आज तक हमने जिस बस की प्रतीक्षा की वो कभी नहीं आई!

दांत वाले अंकल क्या हुआ?

हम जिस कुर्सी पर बैठे उसमें खटमल निकले!

हमने जब भी छाता खरीदा, वर्षा नहीं हुई!

हमने जब भी टिकट लेकर यात्रा की टी.टी. ने हमसे टिकट नहीं पूछा!

और ये हमारे दुर्भाग्य की चरम सीमा है कि शक्तिमान का चित्र क्या, उसका खिलौना भी हम प्राप्त नहीं कर पाये!

गंगाधर का रोना सुनकर वहां खड़ा मोटू उसके पास आया-

हमें जीने का कोई अधिकार नहीं, हमें मर जाना चाहिए! अप्पू हमें मर जाना चाहिए!

अंकल आप क्यों रो रहे हैं? आपको शक्तिमान की डॉल चाहिए? आइये मेरे साथ!

कहां?

मेरे घर!

अच्छा, चलो अप्पू!

नहीं! अप्पू वहां नहीं जा सकता!

क्यों?

ये हम आपको बाद में बताएंगे!

फिर गंगाधर ने अप्पू को उसके घर छोड़ दिया। और गीता को साथ लेकर...

AnUbHaV's Uploads

...सोटू के घर पहुंचा—
आइये!
वाह! सोटू तुम इतने सारे खिलौनों से खेलते हो?
नहीं! ये सब मेरे ग्रेंड पा के हैं। दादा जी के!
क्या आपके दादा जी अभी तक खिलौनों से खेलते हैं?
नहीं, वे सेंटाक्लाज हैं न! इसलिए ये सारे खिलौने वे बच्चों को बांटने के लिए लाते हैं! वह देखिये!
सेंटाक्लाज!
हां, सेंटाक्लाज!
क्रिसमस ईव पर सारे बच्चे जिसका इंतजार करते हैं। वही सेंटाक्लाज!
ग्रेंड पा! ग्रेंड पा इन्हें शक्तिमान की डॉल चाहिए आप एक डॉल इन्हें दे दीजिए न। प्लीज आपके पास तो सारी डॉल्स हैं।
क्या सारी डॉल्स? सर, आपने शक्तिमान की सारी डॉल्स क्यों खरीद ली?

लुक माय चाइल्ड! खिलौने सिर्फ बच्चे की खुशी ही नहीं होते, उनका आइडियल भी होते हैं! बच्चे जब टीचर-टीचर या डाक्टर-डाक्टर खेलते हैं तो वो वैसा ही बनना चाहते हैं, जानती हैं आप? बच्चों को लड़ाई-झगड़ा क्यों अच्छा लगता है?
... क्योंकि उन्हें हमने थमा दिये हैं खिलौनों की शक्ल में पिस्तौलें, बंदूक, मशीनगन और यही उनके आइडियल बन गये हैं मैं चाहता हूं वे शक्तिमान जैसा बनें! उनका आइडियल शक्तिमान हो!

परंतु श्रीमान! शक्तिमान भी तो शत्रुओं से द्वन्द्व करते रहते हैं। युद्ध करते रहते हैं।
नहीं तो असली जंग है! अच्छाई और बुराई की! जिस तरह सेंटाक्लाज का आना बच्चों में संयम विश्वास और आस्था पैदा करता है उसी तरह शक्तिमान भी सच्चाई का जीता-जागता ऐलान है। और ये शुभ लक्षण है कि बच्चे उसे पसंद करते हैं।

केवल बच्चे ही नहीं, बड़े भी उसे पसंद करते हैं, न देवी जी?
जी! जी हां! मेरा छोटा भाई अप्पू तो उसका दीवाना है। मैंने पहली बार उसे किसी चीज के लिए जिद्द करते देखा है। और वह है शक्तिमान की डाल!

आप अप्पू को समझाएं, अगर वह अच्छा बच्चा बनेगा तो सेंटाक्लाज उसे शक्तिमान की डाल अवश्य देगा!
लेकिन सर! हम लोग तो...

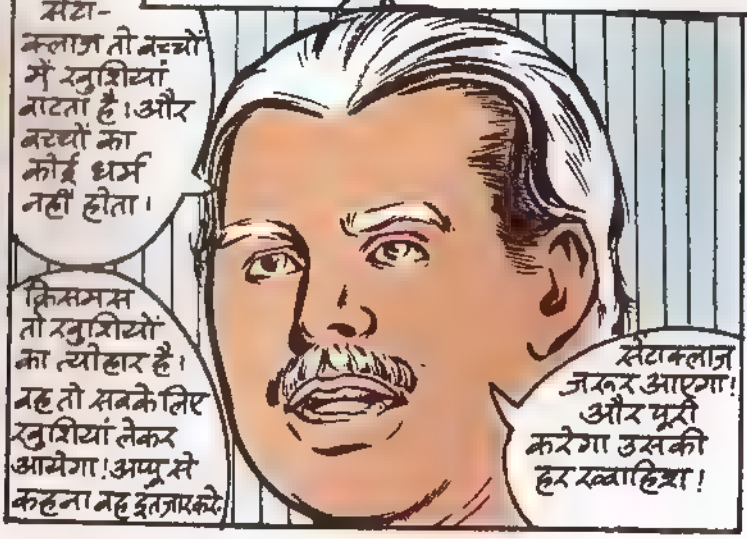
आई नो! आई नो! बट सेंटा-क्लाज तो बच्चों में खुशियां बांटता है। और बच्चों का कोई धर्म नहीं होता।
क्रिसमस तो खुशियों का त्योहार है। वह तो सबके लिए खुशियां लेकर आयेगा! अप्पू से कहना वह इंतजार करे।
सेंटाक्लाज जरूर आएगा! और पूरी करेगा उसकी हर ख्वाहिश!

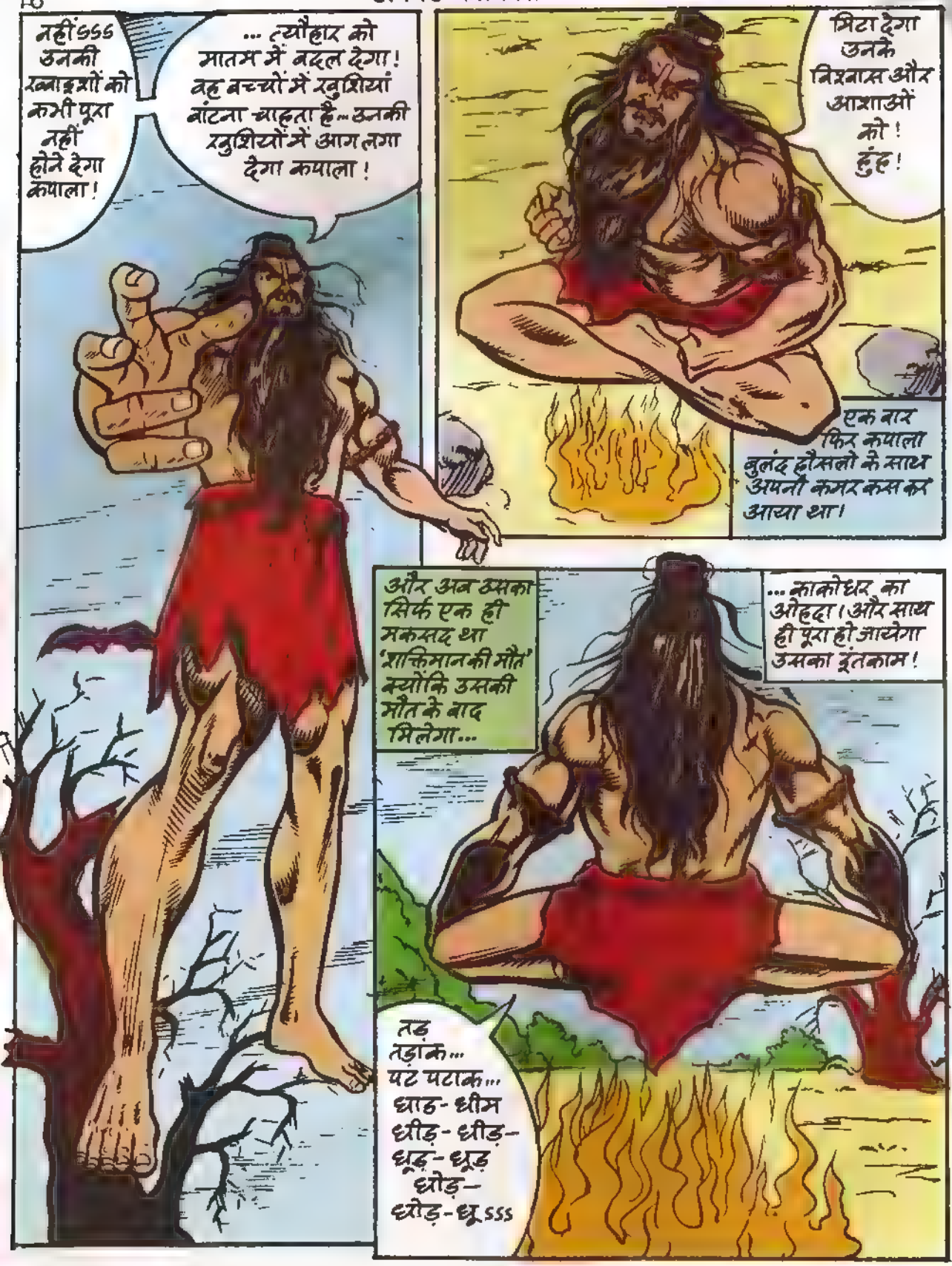
नहींऽऽऽ उनकी खुशियों को कभी पूरा नहीं होने देगा कपाला!
... त्यौहार को मातम में बदल देगा! वह बच्चों में खुशियां बांटना चाहता है... उनकी खुशियों में आग लगा देगा कपाला!
मिटा देगा उनके विश्वास और आशाओं को! हुंह!
एक बार फिर कपाला बुलंद हौसलों के साथ अपनी कमर कस कर आया था।
और अब उसका सिर्फ एक ही मकसद था 'शक्तिमान की मौत' क्योंकि उसकी मौत के बाद मिलेगा...
... काकोधर का ओहदा। और साथ ही पूरा हो जायेगा उसका दूतकाम!
तड़ तड़ाक... पट पटाक... धाड़- धीम धीड़- धीड़- धूड़- धूड़ धोड़- धोड़- धूऽऽऽ

और शायद पूरी हो चुकी थी उसकी साधना ! क्योंकि आग के स्थान पर प्रकट हुई एक मायावी खोपड़ी।
देख कपाल देख ! जागने लगी हैं तेरी मायावी ताकतें ! फिर से ताकतवर होने लगा तू ! और अब कपाला की ताकतों का एक ही मकसद है....
शक्तिमान की मौत ! और नागेश्वर का ओहदा !

जग जड़ांग
जग जड़ांग
जग जड़ांग
जग
जड़ांग!
जाग!
खोपड़ी की आंखें लाल अंगारे-सी दहकने लगी और उसकी आंखों से निकली किरणें—
... जा टकराईं एक चट्टान से—

अंधेरी रात को श्मशान में घट रहे उस मंजर को अगर कोई देख लेता तो यकीनन खौफ से फट जाता उसका कलेजा—

दृश्य ही कुछ ऐसा था!

धीरे-धीरे चट्टान से निकलता वो पर्वत मानव...

...एक आज्ञाकारी गुलाम की तरह कपाला के सामने जा खड़ा हुआ—

हा... हा... हा! हो गया तैयार! गुलाम शैलपुत्र जिसे अंग्रेजी में कहते हैं...

...स्टोनमैन!

याऽऽऽ हा...हा...हा ! स्टोनमैन तेरी जलती हुई निगाहें दुनिया की किसी भी चीज पर पड़ेंगी तो वह चीज पत्थर की तरह जड़ हो जायेगी !

हा...हा...हा ! स्टोनमैन तू करेगा कपाला के मन्सूबों को पूरा !

जो हुक्म मेरे आका ! अंधेरा कायम रहे !

हा...हा...हा ! अब आएगा मजा ! अंधेरा कायम है !

उधर मोट्टू और डिसूज़ा बच्चों के गिफ्ट पैक करके ऊपर नाम लिख रहे थे। तभी मोट्टू की नजर पड़ी एक ब्लैक बॉक्स पर-

ये! देखो इस पर लिखा होगा!

ग्रेंड पा! ये गिफ्ट किसका है?

इस पर तो कुछ भी नहीं लिखा! इसमें है क्या?

पता नहीं! मुझे तो याद नहीं आ रहा! ज़रा रवोल कर तो देखो!

तभी छोटा-सा दिखने वाला स्टोनमैन आदम कद हो गया।

बॉक्स खोलते ही मोट्टू हैरान रह गया क्योंकि उसके अंदर मौजूद था...

...स्टोनमैन! ग्रेंड पा, ये देखिए!

स्टोनमैन?

हा! हा! हा!

बुरी तरह घबरा गये मोट्टू व डिसूजा !

क... कौन हो तुम ?

?!

जवाब में स्टोनमैन की आंखों से निकली किरणें ! फ्रीज होकर रह गया डिसूजा !

ग्रेंड या ! उफ !

अगले क्षण एक चमक के साथ दोनों गायब हो गये-

उफ !

ग्रेंड या ! ग्रेंड या !

उफ ! कहां ले गया स्टोनमैन मेरे ग्रेंड पा को ?

कपाला डैन ! जहां गूंज रहे थे कपाला के भयानक ठहाके —
याऽऽहा-हा ! स्टोनमैन तूने इसे यहां लाकर यह साबित कर दिया कि तू कपाला का मंसूबा पूरा करेगा !
..और डिसूजा ! तुम ! तुम बच्चों की रुलाहियों पूरी करने वाले थे न ! शक्तिमान की पैरवी कर रहे थे मूर्ख !
अब सिर्फ कपाला की रुलाहियों पूरी होंगी अब लाशें गिरेंगी कपाल के दुश्मनों की। और सबसे पहले लाश गिरेगी
याऽऽहा-हा-हा ! क्योंकि फैलने लगी होगीं तुम्हारी खबरें रेड़ियो और...
बस पूरा ही होने वाला है कपाला का मंसूबा !
... शक्तिमान की !
तुम्हारे गायब होने की खबर सुनकर वो बच्चों को दिलासा दिलाने जरूर आएगा ! और फिर वापस नहीं जाएगा क्योंकि स्टोन मैन उसे भी पत्थर का बुत बनाकर कपाला के कदमों में डाल देगा !

RED
RAJ COMICS FAN NATION

...और टी॰ वी॰ पर...

क्रिसमस के मौके पर सेंटाक्लाज के गायब होने से शहर भर में सनसनी फैल गयी है। मि॰ डॉमनिक डिसूज़ा पिछले पच्चीस वर्षों से सेंटाक्लाज़ बनकर बच्चों की आशा को बरकरार रखते हुए उनमें खुशियां बांटते आ रहे थे। कल रात उनके आश्चर्यजनक तौर पर गायब होने से...

...उदासी और आतंक फैल गया है। बच्चों में भी निराशा फैल रही है! क्या इस बार सेंटाक्लाज नहीं आएगा?

क्रिसमस ट्री में लगे सेंटाक्लाज के मुखौटे को देख कर मोटू रोने लगा-

सुनुक... सुनुक...

ये मत रो मोटू! सेंटाक्लाज जरूर आएगा!

तभी क्रिसमस ट्री के पीछे तेज रोशनी हुई सबने चौंक कर देखा-

?!?

फिर उसके पीछे से निकला—

शक्तिमान!

सारे बच्चों ने घेर लिया उसे—

शक्तिमान! मोटू के दादाजी को वापस ले आओ!

शक्तिमान, मेरे ग्रेंडपा को बचा लो! उन्हें स्टोनमैन अपने साथ ले गया!

स्टोनमैन!

हां, स्टोनमैन! मैंने इंस्पेक्टर अंकल को भी बताया था मगर उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी!

तुमने देखा था, उसे?

हां शक्तिमान! वह एक बक्स में से निकला और ग्रेंडपा को अपने साथ ले गया!

ओह!

शक्तिमान! क्या अब वो कभी वापस नहीं आएंगे?

हां, शक्तिमान! क्या सेंटाक्लाज अब हमें खिलौने देने कभी नहीं आएगा?

नहीं बच्चों! विश्वास रखो! सेंटाक्लाज जरूर आएगा! तुम्हारा विश्वास उन्हें वापस लेकर आएगा। क्योंकि सेंटाक्लाज एक इंसान ही नहीं, एक विश्वास है तुम्हारा विश्वास!

तभी वहां आती गीता शक्तिमान को देख कर वहीं रुक गई–

अरे... शक्तिमान!

मैं तुमसे वादा करता हूं कि क्रिसमस की रात को सेंटाक्लाज तुम्हें खिलौने देने जरूर आएगा।

हां, शक्तिमान! तुम्हें भी आना होगा! उस दिन हमारा म्यूजिकल शो भी होता है। जिसके बाद सेंटाक्लाज हमें प्राइज देते हैं।

हां, शक्तिमान! तुम्हें आना ही होगा!

शक्तिमान! तुम भी आओगे न?

फिर शक्तिमान चल दिया!

बच्चों की जिद् के आगे शक्तिमान को हां करनी ही पड़ी–

ठीक है! मैं जरूर आऊंगा!

प्रॉमिस!

प्रॉमिस!

... और न रुकी गीता विश्वास! ये खबर लेकर वह सीधी पहुंची...

...'आज की आवाज' के ऑफिस में—

वेरी गुड! तो तुम ये खबर लेकर आई हो कि शक्तिमान बच्चों के एक म्यूजिकल प्ले में पार्टिसिपेट करने जरूर आएगा!

यस सर! उसने वादा किया है!

ओह! तो कल तुम ये खबर लेकर आओगी कि शक्तिमान एक फाइव स्टार होटल से लंच लेने आएगा या कि बहुत बड़े स्मोर्ट कॉम्प्लेक्स में गुल्ली-डण्डा खेलने आएगा क्यों?

लेकिन सर!...

नहीं गीता विश्वास! इन बातों से आम आदमी को क्या लेना-देना!

जी हां! समाचार ऐसा होना चाहिए जिसमें कुछ संवेदना हो! आम आदमी की व्यथा हो जैसे...

...शक्तिमान आज गरीबों के साथ बड़ा-पाव खाएगा महिलाओं के साथ मिट्टी के तेल के लिए कतार लगाएगा....

...या किसी कवि सम्मेलन का मुख्य अतिथि बन कर जाएगा। और सारा जीवन पछताएगा! या...

RFN
REAL COMICS FAN NATION
JOIN US & BE THE PART OF REVOLUTION

जी नहीं! ऐसी खबरें हमारे अखबार में कभी नहीं छपेंगी!

लेकिन सर! ये कोई मामूली खबर नहीं है!

मामूली न सही! है तो सिर्फ एक खबर! और हम सिर्फ खबर नहीं छापते...

...हमारी हर खबर में कुछ बात होनी चाहिए! कोई इंफार्मेशन कोई नई स्टोरी होनी चाहिए!

वरना हमारा अखबार चौराहे के नोटिस बोर्ड जैसा हो जाएगा, जिस पर क्रिकेट के स्कोर से लेकर चीनी के भाव तक सब लिखा होता! है।

मुझे तो वहां जाना ही पड़ेगा सर! क्योंकि वहां का सारा इंतजाम मुझे ही करना है।

गुड! तब तो तुम शक्तिमान का फुल फ्लैज इंटरव्यू कर सकती हो कि वह शक्तिमान कैसे बना! और अगर तुम उसकी लाइफ स्टोरी कर लो तो मैं उसके लिए स्पेशल एडीशन निकाल सकता हूं। और हां गंगाधर को साथ जरूर ले जाना!

यानी आपकी नजर में उस प्लेन की कोई अहमियत नहीं है!

नहीं! लेकिन हो सकती है अगर तुम खुद वहां जाओ और उसे कवर करो!

गंगाधर को! यह क्यों?
क्योंकि मुझे इस बार एक्सक्लूजिव फोटोग्राफ चाहिए! और अगर तुम्हारा और शक्तिमान का फोटो मिल जाए तो कमाल हो जाएगा!
यस सर! यस सर!
ये मुमकिन नहीं होगा सर! क्योंकि शक्तिमान ने बच्चों से वादा किया है और बच्चे....
और अगर हो सके तो इस बात को अभी आउट मत होने देना! वरना हो सकता है वहां और भी कई ऐसे लोग पहुंच जाएं जो मामला गड़बड़ कर दें!

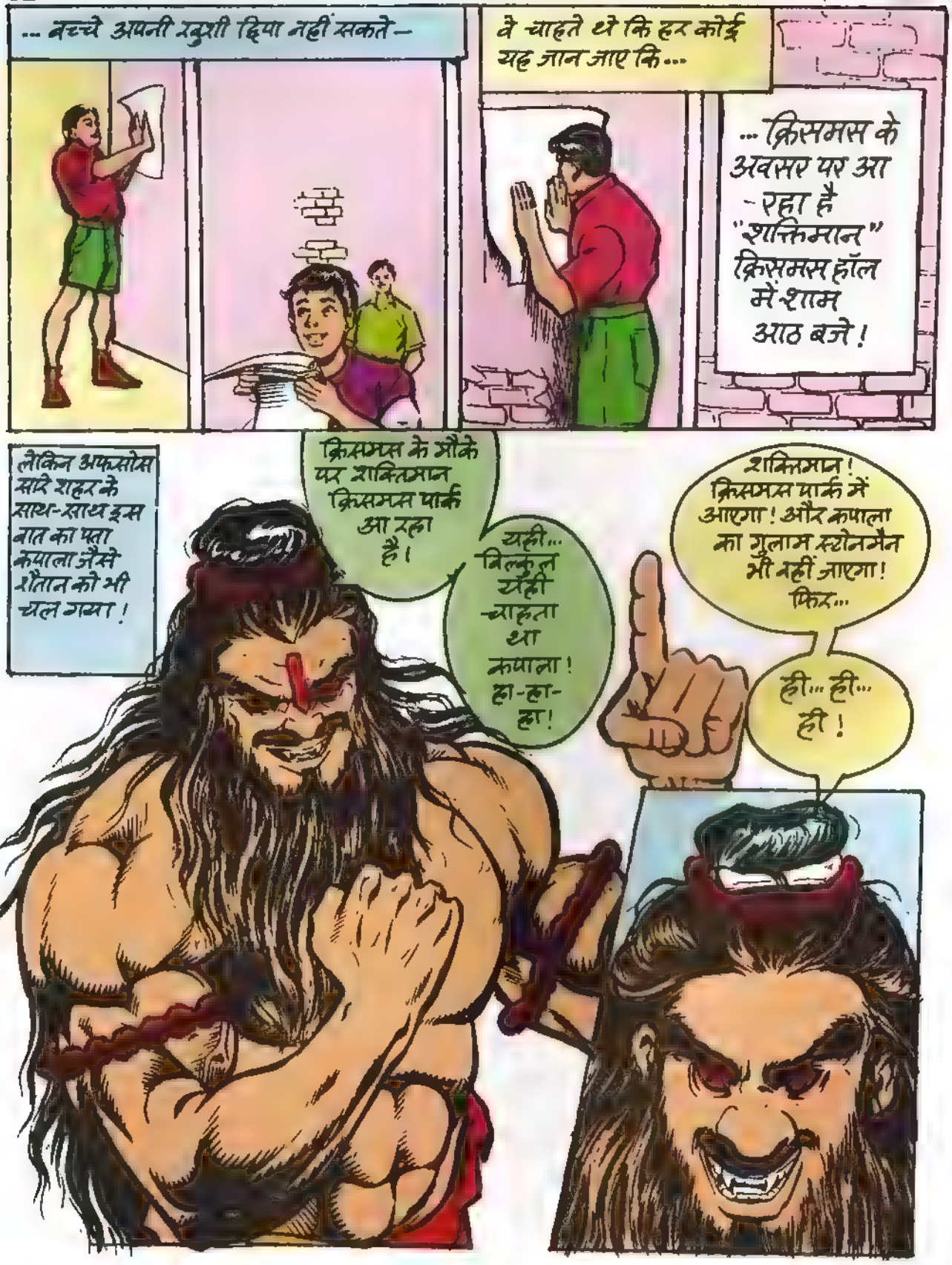
... बच्चे अपनी खुशी छिपा नहीं सकते –
वे चाहते थे कि हर कोई यह जान जाए कि...
... क्रिसमस के अवसर पर आ रहा है "शक्तिमान" क्रिसमस हॉल में शाम आठ बजे !
लेकिन अफसोस सारे शहर के साथ-साथ इस बात का पता कपाला जैसे शैतान को भी चल गया !
क्रिसमस के मौके पर शक्तिमान क्रिसमस पार्क आ रहा है !
यही... बिल्कुल यही चाहता था कपाला ! हा-हा-हा !
शक्तिमान ! क्रिसमस पार्क में आएगा ! और कपाला का गुलाम स्टोनमैन भी नहीं जाएगा ! फिर...
ही... ही... ही !

पागलों की तरह अट्टहास लगाते कपाला के चेहरे पर अचानक गजब की दरिन्दगी आ गई।

हलक फाड़ कर चीख उठा वो—

स्टोनमैन!

शक्तिमान! तू कपाला के शिकंजे में फंसता जा रहा है! अब...! अब कोई नहीं रोक सकता कपाला को कालोधर का ओहदा पाने से! हा-हा-हा!

अगले क्षण स्टोनमैन उसके सामने था!

हुक्म मेरे आका!

जिस तरह तू डिसूजा को लाया, वैसे ही शक्तिमान को भी कपाला के पास लाएगा! पत्थर की तरह जड़ बना कर! पर ध्यान रहे!

... शक्तिमान को मारना नहीं, उसे कपाला खुद अपने हाथों से मारेगा!

जो हुक्म मेरे आका!

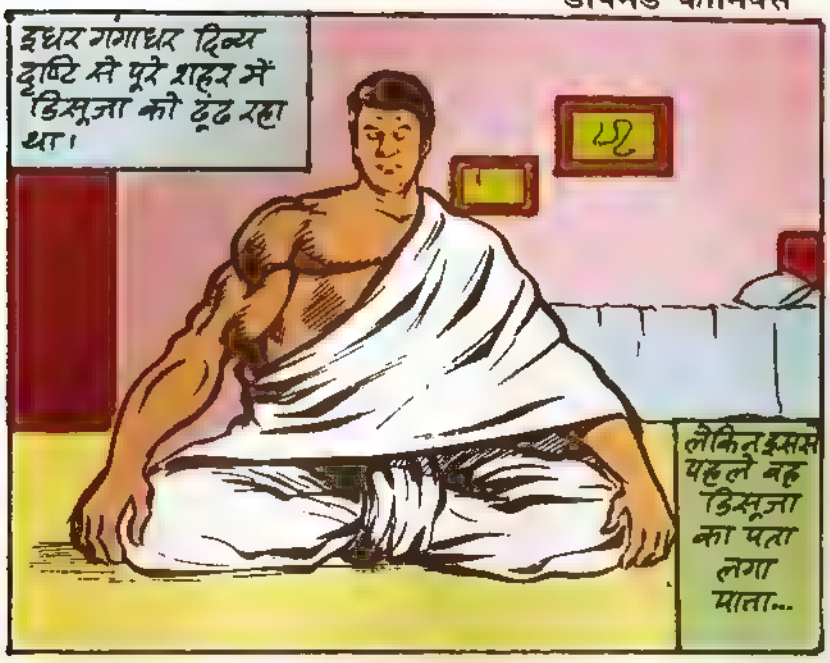
इधर गंगाधर दिव्य दृष्टि से पूरे शहर में डिसूजा को ढूंढ रहा था।
लेकिन इससे पहले वह डिसूजा का पता लगा पाता...

...दरवाजे की खटखटाहट से उसका ध्यान टूट गया–
ओह! कौन आया?
गंगाधर ने तुरन्त दांत बाहर निकाल कर...

...दरवाजा खोला–
देवी जी, आप?
तुम्हें याद नहीं हमें क्रिसमस पार्क जाना है। वहां शक्तिमान आने वाला है। मैं उसका इंटरव्यू लूंगी। और तुम्हें हमारे फोटो खींचने हैं।

लेकिन देवी जी, हमारा वहां जाना ठीक नहीं! हां, देवी जी हमारा दायां नयना सुबह से फड़क रहा है। सवेरे-सवेरे एक नेता जी भी हमारा रास्ता काट गये हैं! और पड़ोसी की बिल्ली भी सारी रात से छींक रही है।
ठीक है, लगता है मेरा लक ही खराब है। पहले तुम जैसे फोटोग्राफर ने मेरे प्रेस में नौकरी की! फिर तुमने मेरी शक्तिमान की न्यूज़ चुरा ली! और अब...

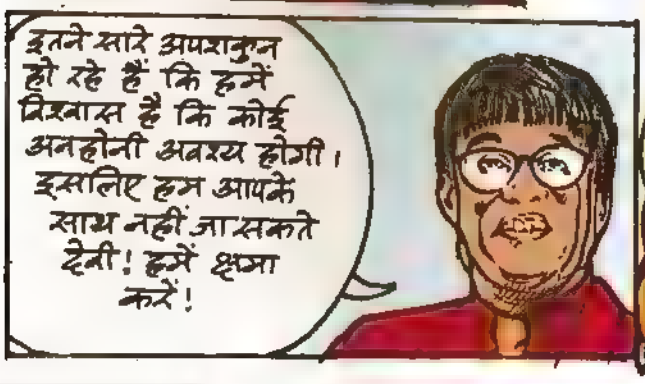
इतने सारे अपशकुन हो रहे हैं कि हमें विश्वास है कि कोई अनहोनी अवश्य होगी। इसलिए हम आपके साथ नहीं जा सकते देवी! हमें क्षमा करें!

गीता रोने की एक्टिंग करने लगी—
(सुबुक-सुबुक) तुम चाहते हो मैं शक्तिमान का इंटरव्यू न कर पाऊं... और मेरी नौकरी चली जाये! (सुबुक-सुबुक)
कोई बात नहीं मैं चली जाती हूं! (सुबुक-सुबुक)
गीता को रोता देखकर गंगाधर चलने को तैयार हो गया—
नहीं, नहीं देवी जी! आप रोइए मत! आपको देखकर हमें अपनी गाय याद आ गई है! आप चुप हो जाइए। हम चलने को तैयार हैं।
सच! तो फिर जल्दी चलो!
...क्रिसमस पार्क! जहां बच्चे बेताबी से शक्तिमान और डिसूजा का इंतजार कर रहे थे—
दीदी! शक्तिमान क्यों नहीं आया?
उसने वादा किया था कि वह मेरे दादा जी को लेकर आएगा!
हां, वह उनको लेकर आता ही होगा!
देवी जी! हो सकता है शक्तिमान स्वयं अभी तक उनका पता न लगा सके हो?
नहीं, शक्तिमान बारह बजे तक सेंटाक्लाज़ को लेकर जरूर आएगा। मुझे पूरा विश्वास है! और अभी सिर्फ ग्यारह बजे हैं!
तभी बच्चे खुशी से चीख उठे—
सेंटाक्लाज़! सेंटाक्लाज़ आ गया!

आप... आप कहां चले गए थे?

मुझे कुछ अजीब से आदमी उठाकर ले गये थे, लेकिन शक्तिमान ने मुझे बचा लिया!

?!

शक्तिमान ने बचा लिया? कौन है यह भूत महाशय?

स्टोनमैन सेंटाक्लाज़ बन कर आया था वहां—

गंगाधर ने एक्स-रे विजन से उसे देखा सेंटाक्लाज़ बना स्टोनमैन उसे नजर आ गया।

ओह! तो यह बात है!

लेकिन शक्तिमान कहां है?

आता ही होगा! मुझे भी उसी का इंतजार है। उसके आने पर ही मैं बच्चो को खिलौने दूंगा!

देवी जी हमारा दायां नयुना फिर फडक रहा है। लगता है कुछ गड़बड़ है। बच्चों को लेकर यहां से चलते हैं। हमें लगता है आज शक्तिमान नहीं आएगा!

नहीं! मुझे पूरा विश्वास है वह जरूर आएगा!

अगर नहीं आया तो सचमुच अनहोनी हो सकती है

बच्चे परेशान थे, और उनके साथ गंगाधर भी—

दीदी, शक्तिमान कब आएगा? अगर वह नहीं आया तो क्या हमको खिलौने नहीं मिलेंगे?

क्या करूं? हां ये ठीक रहेगा!

फिर गंगाधर वहां से चला गया!

और कुछ देर बाद लौटा तो शक्तिमान की ड्रेस पहने हुआ था वह–
अरे, गंगाधर! तुम शक्तिमान की ड्रेस में?
जी हां, देवी जी! बच्चों का मन बहलाने के लिए पहनी है! ही–ही–ही!
अरे देखो! दांत वाले अंकल शक्तिमान की ड्रेस में!
आओ, उनके पास चलें!
गंगाधर बच्चों को खुश करने के लिए नाचता-गाता है!
शक्तिमान आ गया!
असली नाच तो मैं नचाऊंगा तुझे!
पलक झपकते ही स्टोनमैन अपने असली रूप में आगया–
स्टोनमैन!
उफ! यह तो वही स्टोनमैन है, जो मेरे दास को ले गया।
ओह नो!
वह शैतान गंगाधर को शक्तिमान समझ रहा था–
गंगाधर बचो!
उफ! शक्तिमान कहां हो तुम?
अर्रर्र हमें मत मारिये पत्थर, महोदय!
गंगाधर ने बच कर जल्दी से शक्तिमान की ड्रेस उतार दी!

... और भयभीत होने की एक्टिंग करने लगा—

य... ये देखिये हम शक्तिमान नहीं, हम तो हैं गंगासुर, दंगासुर अमृतसर नहीं, नहीं, हमारा नाम है क्या है? हां, शक्ती नाच, ओंकार धरमाया, धरविद्या, धरगंगा पांडेत!

स्टोनमैन ने जुनून में आकर गंगाधर को उठाकर ऊपर उछाल दिया—

गुर्रर्रSS

आऽऽह!

आंखें दहकते शोले सी नजर आ रही थी उस दरिन्दे की! खूंखार भेड़िए की तरह गुर्राता वह—

शक्तिमान! चुपचाप सामने आ जाओ, वरना मैं इन सारे बच्चों को बेजान पत्थर की मूर्तियों में बदल दूंगा!

और अगले ही क्षण आ गया वो शैतानों का दुश्मन! बच्चों का दोस्त—

शक्तिमान!

शक्तिमान!

जमीन पर पैर रखने ही थे कि स्टोनमैन ने उस पर धावा बोल दिया—

ओह!

दोबारा वार किया उस शैतान ने—
लेकिन शक्तिमान ने सिर्फ उससे बचा बल्कि साथ ही उसने स्टोनमैन पर किया जबरदस्त किरणों का वार—
लेकिन बेकार गया वो वार! टस से मस न हुआ वो दरिन्दा—
हा! हा! हा!
लेकिन स्टोन— मैन तुझे बेज़ान बुत बना कर महान कपाला के हवाले कर देगा!
शक्तिमान! तेरे किसी वार का असर नहीं होगा स्टोनमैन पर!

लेकिन उससे पहले शक्तिमान तुझे जहन्नुम पहुंचा देगा! और फिर तेरे आका कपाला को भी!

महान कपाला की शान में गुस्ताखी करने वाला जिन्दा नहीं बच सकता! यह ले!

उससे निकली किरणें जिस-चीज से टकराई वो तुरंत पत्थर की हो गई।

सोनमैन बार पर बार किये जा रहा था—

उफ! ऐसे कब तक बचता रहूंगा, मेरे किसी प्रहार का इस पर कोई असर नहीं हो रहा! क्या करूं?

ओह! मुझे शक्तिमान की मदद करनी चाहिएं!

कुछ सोच कर अप्पू वहां से चला गया!

तभी अप्पू ने पास पड़ी एक चमकदार स्टील ट्रे उठा कर शक्तिमान की ओर उछाल दी—
शक्तिमान कैच!
स्टोनमैन के प्रहार से बचते हुए शक्तिमान ने लपक लिया उस ट्रे को—
और फिर शक्तिमान हवा में कलाबाजी खाकर सामने आ खड़ा हुआ उस शैतान के...
गुर्रर्र
...जिसने फिर से वार किया शैतान किरणों का—
लेकिन चमकदार ट्रे से टकरा कर किरणें वापस स्टोनमैन से जा टकराईं—
आह!
अगले ही पल फ्रीज होकर रह गया वह शैतान—

स्टोनमैन के बेजान बुत बनते ही सब शक्तिमान के पास दौड़ आये—
हुर्रेऽऽ शक्तिमान जीत गया!
फिर शक्तिमान स्टोनमैन को वहाँ से लेकर चला गया—

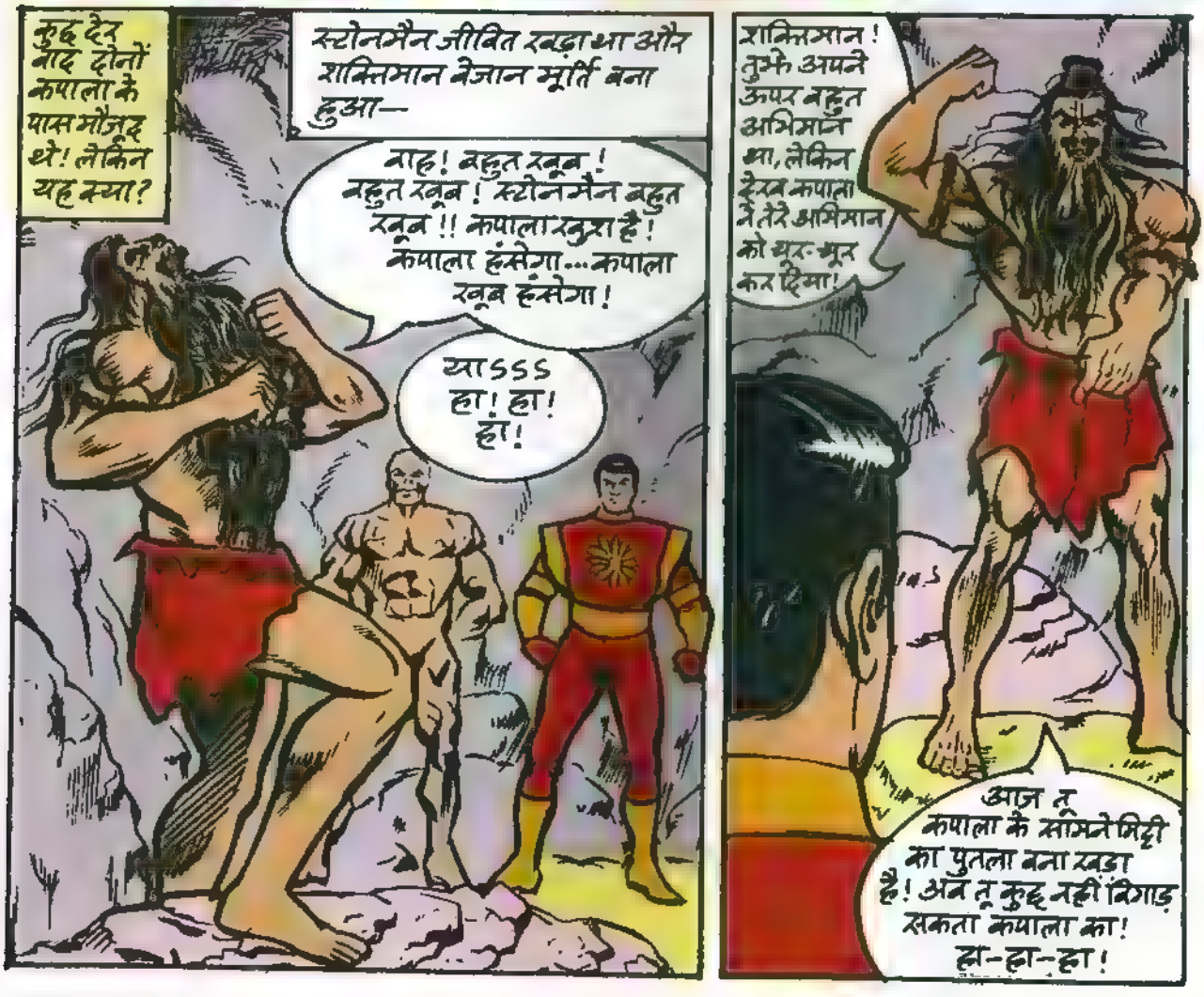
कुछ देर बाद दोनों कपाला के पास मौजूद थे! लेकिन यह क्या?
स्टोनमैन जीवित खड़ा था और शक्तिमान बेजान मूर्ति बना हुआ—
वाह! बहुत खूब! बहुत खूब! स्टोनमैन बहुत खूब!! कपाला खुश है! कपाला हंसेगा...कपाला खूब हंसेगा!
याऽऽऽ हा! हा! हा!
शक्तिमान! तुझे अपने ऊपर बहुत अभिमान था, लेकिन देख कपाला ने तेरे अभिमान को चूर-चूर कर दिया!
आज तू कपाला के सामने मिट्टी का पुतला बना खड़ा है! अब तू कुछ नहीं बिगाड़ सकता कपाला का! हा-हा-हा!

अचानक कपाला के चेहरे पर हैवानियत उतर आई। दरिन्दगी सी टपकने लगी उसकी आंखों में–
लेकिन–लेकिन कपाला तुझे नहीं छोड़ेगा! शक्तिमान! मौत के घाट उतार दूंगा तुझे!
टाउन हॉल में दिए हर जख्म का बदला गिन–गिन कर लूंगा!
अगले ही क्षण कपाला ने भाले का रुख ले लिया–
हा–हा–हा!

और बला की तेजी से शक्तिमान की ओर बढ़ा–
आज मिट्टी में मिल कर रह जाएगा तेरा वजूद! हा–हा!

लेकिन तभी आश्चर्यजनक परिवर्तन हुए स्टोनमैन की जगह शक्तिमान नजर आने लगा और शक्तिमान की जगह स्टोनमैन–
जिससे टकराते ही वो भाला आगे से मुड़ गया–
आSSS

भाला बना कपाला दर्द से चीख उठा—
आह! मर गया! हाय!
नीचे गिरते ही कपाला अपने असली रूप में आ गया—
उई! मेरी गर्दन! कपाला की गर्दन! बहुत दर्द हो रहा है! कपाला को! कपाला रोएगा, कपाला खूब रोएगा! ऊंऽऽऽऽऽ! हाय!
शक्तिमान उसके सामने आ खड़ा हुआ और उसे जिन्दा देखकर कपाला मानो पागल सा हो उठा—
धोखा! कपाला के साथ धोखा! शक्तिमान! तूने फिर कपाला को धोखा दिया! गुर्रर्र!
अब कपाला तुझे नहीं छोड़ेगा!
कपाला खोपड़ी की तरफ पलट कर मंत्र पढ़ने लगा—
जग जड़ांग... जग जड़ांग!
खोपड़ी की आंखें दहकने लगी—

लेकिन इससे पहले कोई और मुसीबत आती शक्तिमान ने खोपड़ी तोड़ दी!

नहीं!

ओफ! नहीं!

और मायावी-खोपड़ी में ब्लास्ट होते ही स्टोन सैल भर-भरा कर बिखर गया—

आह, नहीं! मेरी साधना बरबाद हो गई!

और फिर वहां से उड़ गया!

दूसरों की खुशी छीनने की कोशिश करने वालों को कभी खुशी हासिल नहीं होता, कयाला! ऐसे लोग आबाद नहीं बरबाद ही होते हैं!

छीनेगा! कयाला एक दिन तेरी खुशी आकर छीनेगा, शक्तिमान! देख लेना! गुर्रर्र!

शक्तिमान! मैं बदला लेने जल्दी ही वापस आऊंगा! गुर्रर्र!

उस बार भी तू अपनी किस्मत को रोयेगा कयाला!

फिर कयाला का शरीर धुंए में तबदील होने लगा!

AnUbHaV's Uploads

...वहां मौजूद पत्थर के वेजान बुत बने डिसूजा को दिव्य शक्ति से जीवित कर दिया।

ओह! शक्तिमान! तुम मुझे वेजान बनाने आये हो?

हां! जब सेंटाक्लाज़ शक्तिमान की वैरनी कर सकता है तो शक्तिमान सेंटाक्लाज़ को बचाने क्यों नहीं आ सकता!

और मैं ऐसा न करता तो बच्चों का विश्वास सेंटाक्लाज़ और शक्तिमान दोनों से उठ जाता। चलो अब चलते हैं।

...क्रिसमस पार्क—

शक्तिमान! शक्तिमान आ गया!

वाह! असली सेंटाक्लाज़ को भी लेकर आ गया!

ग्रैंड मा! ग्रेंड मा!

ये मौका तो सेंटाक्लाज़ के इंटरव्यू का है! मेरा इंटरव्यू फिर कभी!

ओह!

शक्तिमान! तुमने सचमुच अपना वादा निभाया! इन बच्चों की खुशी एक बार फिर लौट आई है। साथ ही लौट आया है उनका विश्वास! मैं इस मौके पर तुम्हारा इंटरव्यू करना चाहती हूं!

और फिर—

स्टोनमैन आपको पत्थर की तरह फ्रीज करके कहां ले गया था?

कपाला के पास!

AnUbHaV's Uploads

क्रमशः

AnUbHaV's Uploads